उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सुभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–09(06/62)

सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में केन्द्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मुलाकात की।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री मदन कौशिक, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री श्री धन सिंह रावत, मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र की धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता रावत एवं केन्द्रीय मंत्री श्री प्रसाद की धर्मपत्नी डॉ. माया शंकर भी उपस्थित थीं।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–08(06/61)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष श्री ऋषिपाल सिंह के नेतृत्व में भारतीय मजदूर संघ एवं उत्तरांचल आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान भारतीय मजदूर संघ एवं उत्तरांचल आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी–अपनी समस्याओं को रखा।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–07(06/60)

मा0 मुख्यमंत्री मोबाइल एप पर शिकायत प्राप्त हुई थी कि जनपद बागेश्वर के गरुड़ तहसील के मैगडी स्टेट में कुछ बिजली के खंबो के तार ढीले हो गए हैं एवं तारों को सपोर्ट देने के लिए लकड़ी का खम्बा लगा दिया गया है और झूलने से बचाने के लिए कपडे का उपयोग किया गया था जिससे आकस्मिक खतरे की संभावना जताई गयी थी। मा0 मुख्यमंत्री मोबाइल एप पर शिकायत प्राप्त होते ही मुख्यमंत्री कार्यालय ने एमडी UPCL से समस्या के त्वरित समाधान के लिए अपेक्षा की गई।

एमडी यूपीसीएल ने विषय की गंभीरता को समझते हुए अधिकारीयों को अतिशीघ्र समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए, निर्देशों के अनुपालन में ग्राम मैगडी स्टेट में बिजली के खम्बो के ढीले तारों को कसकर ठीक कर दिया गया। कपड़ों और डोरियों को हटाकर स्टे लगाया दिया गया तथा साथ ही लकड़ी के खम्बे को भी हटा दिया गया है।

एमडी यूपीसीएल ने अधिकारीयों को निर्देश दिए कि बिजली की तारों के साथ लकड़ी और कपड़ों का प्रयोग भविष्य में ना किया जाय। समस्या का समाधान होने पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत और एमडी UPCL का आभार व्यक्त किया है।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–06(06/59)

मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन की तैयारियों के बारे में केंद्रीय संस्थाओं और संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि अपने प्रतिभागियों के सत्यापन की जिम्मेदारी उनके संस्था प्रमुख की होगी। आह्वान किया कि केंद्रीय संस्थाओं के अधिकारी, कर्मचारी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें। सचिव आयुष श्री आरके सुधांशू ने बताया कि जिनका पंजीकरण अभी तक नही हुआ है वे yogaepass2018@gmail-com पर ऑनलाइन या विज्ञापित फॉरमेट पर फॉर्म भरकर ऑफ लाइन पंजीकरण करा लें। जिन संस्थाओं को परिवहन की जरूरत है, वे वाहनों की मांग जिलाधिकारी देहरादून को दे दें।

सचिव आयुष ने बताया कि देहरादून और हरिद्वार के विभिन्न स्थानों पर सामान्य योगाभ्यास क्रम (कॉमन योगा प्रोटोकॉल) का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बैठक में कमिशनर गढ़वाल श्री दिलीप जावलकर, एफआरआई, वाइल्ड लाइफ इंस्टीटूट, वाडिया इंस्टिट्यूट, सीबीएसई, इग्नू, एम्स, केंद्रीय विद्यालय संगठन, वीमेन इंस्टीटूट ऑफ टेक्नोलॉजी,जूलॉजी सर्वे ऑफ इंडिया,बोटैनिकल सर्वे ऑफ इंडिया,ऑर्डनेन्स फैक्ट्री, फारेस्ट अकादमी, ओएनजीसी, बीएसएनएल, आईआईपी, एनसीसी, पोस्ट मास्टर जनरल, सर्वेयर जनरल, भारत स्काउट एंड गाइड, आईटीबीपी सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(06/56)

मुख्य सचिव श्री उत्पल कुमार सिंह ने सचिवालय में राज्य में उद्यम स्थापित करने के लिये विभिन्न विभागों से वांछित स्वीकृतियों, अनुज्ञापनों, व अनुज्ञायें प्राप्त करने के लिये उत्तराखण्ड उद्यम एकल खिड़की सुगमता एवं अनुज्ञापन अधिनियम 2012 के अन्तर्गत राज्य प्राधिकृत समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में बताया गया कि राज्य प्राधिकृत समिति की बैठक में कुल रू0 1760 करोड़ के पूंजी निवेश के 06 प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गई। सिंगल विन्डो एक्ट के अन्तर्गत एम.एस.एम.ई. के निवेश प्रस्तावों पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला प्राधिकृत समिति द्वारा अनुमोदन दिया जाता है। वृहद उद्यमों के लिये मुख्य सचिव स्तर पर गठित समिति द्वारा अनुमोदन दिये जाने का प्राविधान है इस समिति में सम्बन्धित विभागों के प्रमुख सचिव/सचिव, सदस्य नामित हैं।

गत वर्ष में राज्य ''ईज ऑफ डुईंग बिजनेस'' की दिशा में किये गये कार्यों एंव एकल खिड़की व्यवस्था की मुख्य सचिव स्तर पर सत्त समीक्षा के कारण विभागों द्वारा अनुमतियां/अनापत्तियां दिये जाने के फलस्वरूप राज्य में निवेशकों की रूचि बढ़ी है। गत वित्तीय वर्ष 2017–18 में राज्य तथा जिला स्तरीय समिति के विचारार्थ सूक्ष्म, लघु, मध्यम तथा वृहद उद्यगों की स्थापना हेतु कुल 594 प्रस्ताव, जिनमें कुल रू. 3,210.97 करोड़ का पूंजी निवेश तथा 13648 लोगों को रोजगार दिया जाना प्रस्तावित था, पर सैद्धान्तिक स्वीकृति जारी की गई थी।

गत वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018–19 के प्रथम दो माह में ही कुल 92 प्रस्ताव, जिनमें रू. 2436 करोड़ का पूंजी निवेश तथा 5494 लोगों को रोजगार दिया जाना प्रस्तावित है, जिला/राज्य स्तरीय प्राधिकृत समिति के सम्मुख स्वीकृति हेतु प्राप्त हुये हैं और इन प्रस्तावों पर प्राधिकृत समिति द्वारा विचार कर सैद्धान्तिक स्वीकृति दी जा चुकी है।

बैठक में प्रमुख सचिव, औद्योगिक विकास/एम.एस.एम.ई. श्रीमती मनीषा पंवार, आयुक्त उद्योग, के अतिरिक्त वन एवं पर्यावरण, ऊर्जा, श्रम, वन, आवास, उद्योग, सदस्य सचिव, उत्तराखण्ड पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अपर निदेशक उद्योग तथा अन्य विभागों के उच्च अधिकारी भी उपस्थित थे।

*सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग*

रानीखेत / देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–05(06 / 58)

## जन सहभागिता से ही होगा नदियों का पुनर्जीवन : मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को मजखाली स्थित वुडस विला रिर्सोट में आयोजित कोसी नदी के पुनर्जीवन से सम्बन्धित बैठक में कहा कि इस योजना के लिये जन सहभागिता को हमें प्राथमिकता देनी होगी तभी यह कार्यक्रम एक अभियान के रूप में आगे बढ़ पायेगा। उन्होंने कहा कि कोसी नदी में पूर्व में 48 स्त्रोत मिलकर आते थे जो अब घटकर 08 रह गये हैं यह हमारे लिये एक चिन्ता का विषय है इस बात को ध्यान में रखते हुये प्रदेश सरकार ने देहरादून की रिस्पना एवं कुमायूं में कोसी नदी को इस महत्वाकांक्षी योजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने इस अभियान से जुडे अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने विभाग से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाओं को यथा समय सम्पन्न कराना सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि आगामी 16 जुलाई को हरेला पर्व के दिन कोसी नदी के उद्गम स्थल से इस अभियान की शुरूआत की जायेगी। इसी दिन कोसी कैचमेंट एरिया के अन्तर्गत 01 लाख पौधों का पौधारोपण, जिसमें जंगली फलों सहित चौड़ीपत्ती के पौधों का पौधारोपण होगा। इसके लिये सभी तैयारियॉ की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जुडे एनआरडीएएमएस के निदेशक प्रो.जे0एस0 रावत के सुझावों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही उनके द्वारा जो 14 जोन इसके लिये चिन्हित किये गये है उन क्षेत्रों में नोडल अधिकारी तैनात कर इस कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जा रहा है। कोसी कैंचमेंट एरिया से जुडे हवालबाग, ताकुला विकास खण्ड के 109 ग्रामों में यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने जिलाधिकारी श्रीमती इवा आशीष से अभी तक के कार्यों की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिये कि इस अभियान में आम लोगों की सहभागिता अधिकाधिक हो, इसमें विशेष ध्यान देना होगा। विशेषकर वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे इस कार्य में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे लिये गौरव की बात है कि पं.गोविन्द बल्लभ पंत हिमालयन पर्यावरण संस्थान व विवेकानन्द कृषि अनुसंधान संस्थान, जो भारत सरकार के उपक्रम है वे भी इस अभियान से पूर्ण रूप से जुडे है। मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला स्वयं सहायता समूह, नव मंगल दलों, महिला मंगल दलो सहित अन्य लोगों से इस अभियान से जुडने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिये गढवाल व कुमायूं मण्डल में एक उच्च कोटी के विद्यालय की स्थापना की जा रही है जिसके लिये गढवाल में भूमि उपलब्ध हो चुकी है कुमायूं मण्डल के अल्मोड़ा में इस हेतु भूमि चयन करने के निर्देश आयुक्त कुमायूं मण्डल को दिये। इससे पूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने रानीखेत स्थित सैन्य संग्रहालय का भी निरीक्षण किया और जिस तरीके से संग्रहालय को सुसज्जित किया गया है वह हम सबके लिये प्रेरणादयी व ज्ञानवर्द्धक है साथ ही भावी युवा पीढी के लिये प्रेरणास्त्रोत है।

आयुक्त कुमायूं मण्डल श्री राजीव रौतेला ने कहा कि इस अभियान को आगे बढाने के साथ–साथ ही हमारा लक्ष्य 3 लाख पौधों के रोपण का है जिसके लिये ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस कोसी पुनर्जीवन कार्य को स्वतर्स्पूत भावना से चलाने का प्रयास किया जायेगा। जिसकी सूक्ष्म कार्य योजना तैयार कर ली गयी है।

इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भटट, जिला अध्यक्ष श्री गोविन्द पिलख्वाल, मसूरी विधायक श्री गणेश जोशी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी0रेणुका देवी, अपर जिलाधिकारी श्री के0एस0 टोलिया, संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत श्री हिमांशु खुराना, उपजिलाधिकारी द्वाराहाट रजा अब्बास, श्री जोगेन्द्र सिंह सहित इस अभियान से जुडे अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन जिला विकास अधिकारी मो0 असलम ने किया।

*नोट : जिला सूचना कार्यालय, अल्मोड़ा से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।*

**देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो)** **प्रेस नोट–04(06/57)**

उत्तराखण्ड राज्य के जनपदों में जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति तथा विकास कार्यों के पर्यवेक्षण हेतु पूर्व में निर्गत समस्त आदेशों को अवक्रमित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री सतपाल महाराज को हरिद्वार, श्री प्रकाश पंत को चमोली व रूद्रप्रयाग, श्री मदन कौशिक को उधमसिंहनगर व नैनीताल, डॉ.हरक सिंह रावत को अल्मोड़ा, श्री यशपाल आर्य को देहरादून, श्री सुबोध उनियाल को पौड़ी, श्री अरविन्द पाण्डेय को पिथौरागढ़ व चम्पावत, राज्यमंत्री श्रीमती रेखा आर्य को बागेश्वर एवं डॉ.धन सिंह रावत को टिहरी व उत्तरकाशी का प्रभारी मंत्री का प्रभार दिया गया है।

**रानीखेत/देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो)** **प्रेस नोट–02(06/55)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि ही नहीं वीर भूमि भी है। यहां के सैनिकों ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अदम्य साहस का परिचय दिया है। मुख्यमंत्री सोमवार को रानीखेत में नरसिंह मैदान में उपस्थित पूर्व सैनिको को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में राष्ट्रवाद व देशभक्ति की परम्परा रही है। यहां के जवानो की रग–रग में ''मै से पहले देश भक्ति'' का भाव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिको सहित सैनिक आश्रितो के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी योजनायें चलाने का निर्णय लिया है। वीर सैनिकों व शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी सहित जिला स्तर पर को–आपरेटिव समूह बनाने के लिए प्रयास किये जा रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों में होम स्टे योजना चलायी जा रही है। इसके माध्यम से पूर्व सैनिको को पर्यटन से जोडने का प्रयास किया जा रहा है। वनाग्नि को रोकने और भूतपूर्व सैनिकों व युवाओं को स्वावलम्बन की ओर अग्रसर करने के लिये पिरूल नीति लागू की गई है। पिरूल से विद्युत उत्पादन भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि ढाई नाली जमीन किसी के पास है तो वह अपनी जमीन में इस उद्योग को स्थापित कर विद्युत उत्पादन कर सकता है साथ ही 10–12 लोगों को रोजगार भी मुहैया कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छावनी परिक्षेत्र सहित रानीखेत के आसपास के क्षेत्र में पेयजल समस्या से निजात दिलाने के लिए रानीखेत में कोसी–भुजान पेयजल पम्पिंग योजना तैयार की जा रही है। इस योजना की डीपीआर तैयार कर ली गयी है जिसकी लागत 60 करोड़ रू0 है जिसमें 13 करोड़ सेना द्वारा दिया जायेगा शेष 47 करोड़ रू0 राज्य सरकार वहन करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिये सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गए हैं। देहरादून की तर्ज पर हल्द्वानी में भी सेना के सहयोग से एक छात्रावास बनाया जायेगा जिसमें सैनिकों एवं उनके आश्रितों के बच्चों को अच्छी शिक्षा सुविधा प्रदान की जायेगी।

इस अवसर पर मसूरी के विधायक श्री गणेश जोशी जो स्वयं एक भूतपूर्व सैनिक रहे है, ने भूतपूर्व सैनिकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि प्रदेश यशस्वी मुख्यमंत्री हमेशा सैनिकों की समस्याओं के निदान के लिये तत्पर रहते है। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लाभ उठाने की बात कही। इस अवसर पर सेना के कर्नल ऑफ द रजिमेंट ले0 जनरल बी0एस0 सेरावत ने भी सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में कर्नल नीरज सूद, शौर्य चक्र कार्यवाहक उप कमांडेट के0आर0सी0 एवं टी0बी0सी0 प्रशिक्षण बटालियन, ले0 कर्नल नक्षत्र भंडारी, जी0एस0ओ0 1 (प्रशिक्षण) ले0 कर्नल विजय नरसिम्हन, शिक्षा अधिकारी, केन्द्र के सभी सैन्य अधिकारी, सूबेदार मेजर, जे0सी0ओ0, सैनिको सहित नव प्रशिक्षुओं के परिजन, जिलाधिकारी श्रीमती इवा आशीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी0रेणुका देवी, संयुक्त मजिस्ट्रेट श्री हिमांशु खुराना, अपर जिलाधिकारी श्री के0एस0 टोलिया, उपजिलाधिकारी रजा अब्बास, भाजपा प्रदेश श्री अध्यक्ष अजय भट्ट सहित अन्य गणमान्य लोग व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे।

***नोट : जिला सूचना कार्यालय, अल्मोड़ा से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।***

रानीखेत / देहरादून 11 जून, 2018(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(06 / 54)

# भारतीय सैनिकों की वीरता पर देश को नाज : मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र

- **मुख्यमंत्री, रानीखेत के सोमनाथ मैदान में आयोजित कसम परेड़ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे।**
- **कुमायूं रेजीमेंट सेंटर के 155 रिक्रूट भारतीय सेना में शामिल हुए।**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा है कि भारतीय सैनिक, देश का गौरव हैं। हम सभी को अपने सैनिकों की बहादुरी पर नाज है। सैनिक बनकर देश सेवा करना पुण्य का काम है। मुख्यमंत्री रानीखेत के सोमनाथ मैदान में आयोजित भारतीय सेना की कसम परेड़ के अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय सेना के कुमाऊॅ और नागा रजिमेंट के गौरवशाली इतिहास में एक अध्याय और जुड़ गया है। देशभक्ति से ओतप्रोत बैंडधुन पर कदमताल करते इन सैनिकों ने अनुशासन की एक बेहतरीन मिसाल दी है। हमारे सैनिकों ने हमेशा ही एकता अखण्डता को बनाये रखने के लिये सीमाओं के सजग प्रहरी के रूप में काम किया। सैनिक बनकर देश सेवा करना एक पुण्य का काम है। सेना का जीवन कठिन होता। उन्होंने जवानों को सम्बोधित करते हुये कहा कि जिस कठिन परिश्रम के साथ आप लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया उसी कडी मेहनत से काम कर देश सेवा के लिये तत्पर रहकर काम करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जवानों ने देश की सेवा के लिए सेना में शामिल होकर अपने जीवन का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनके पिता स्व0प्रताप सिंह रावत भी सैनिक थे। इसी कारण वे भी सेना की गौरवशाली परंपरा से वाकिफ है। देवभूमि के सैनिकों ने अपने त्याग और साहस के बल पर प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नव प्रशिक्षित जवान सेना की महान गौरवशाली परम्परा को बनाए रखेंगे।

सोमवार को सोमनाथ मैदान में 155 भारतीय सेना के जवानों की कसम परेड़ आयोजित की गई। जिसमें 67 जवान उत्तराखण्ड के थे, शेष 88 जवान महाराष्ट्र, बिहार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान व अन्य राज्यों के थे। इस समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले रिक्रूट को विशेष मेडल से सम्मानित किया गया। जिनमें श्री महेश ऐरी, श्री रोहित चिलवाल, श्री प्रदीप मेहरा, श्री विशाल सिंह, श्री अतुल जोशी, श्री रमेश कुमार, श्री पंकज सिंह सम्मिलित थे।

धर्मगुरू गणेश दत्त जोशी सहित अन्य सहयोगियों ने राष्ट्रीय ध्वज व गीता को साक्षी मानकर नव प्रशिक्षुओं को शपथ दिलायी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, कर्नल ऑफ द रजिमेंट ले0 जनरल बी0एस0 सेरावत, सेना मैडल और कमांडेट ब्रिगेडियर जी0एस0 राठौर ने भी परेड की सलामी ली। इस भव्य परेड़ के कमान्डर विकास कुमार थे।

इस भव्य परेड़ में कर्नल नीरज सूद, शौर्य चक्र कार्यवाहक उप कमांडेट के0आर0सी0 एवं टी0बी0सी0 प्रशिक्षण बटालियन, ले0 कर्नल नक्षत्र भंडारी, जी0एस0ओ0 1 (प्रशिक्षण) ले0 कर्नल विजय नरसिम्हन, शिक्षा अधिकारी, केन्द्र के सभी सैन्य अधिकारी, सूबेदार मेजर, जे0सी0ओ0, सैनिको सहित नव प्रशिाक्षुओं के परिजन, जिलाधिकारी श्रीमती इवा आशीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पी0रेणुका देवी, संयुक्त मजिस्ट्रेट श्री हिमांशु खुराना, अपर जिलाधिकारी श्री के0एस0 टोलिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय भट्ट, मसूरी विधायक श्री गणेश जोशी, जिलाध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह पिलख्वाल सहित अन्य गणमान्य लोग व सैन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन श्री लक्ष्मण सिंह व प्रतिभा अवस्थी ने किया।

*नोट : जिला सूचना कार्यालय, अल्मोड़ा से प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के आधार पर।*